



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3— Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 268]  
No. 268]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 19, 1983/आषाढ 28, 1905  
NEW DELHI, TUESDAY, JULY 19, 1983/ASADHA 28, 1905

इस भाग में मिल पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वित्त मंत्रालय  
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1983

सा० का० नि० 563(अ) :—केन्द्रीय सरकार, सरकारी  
बचत-पत्र अधिनियम, 1959 (1959 का 46) की धारा  
12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए डाकघर  
बचत-पत्र नियम, 1960 का और संशोधन करने के लिए  
निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम डाकघर बचत-  
पत्र (संशोधन) नियम, 1983 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त  
होंगे।

2. डाकघर बचत-पत्र नियम, 1960 के नियम 13 के  
उपनियम (1) में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा,  
अर्थात् :—

471 GI83

“परन्तु जहां केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो  
जाता है कि किसी पत्र का ऐसा क्रय या अर्जन उसके  
धारक की ओर से किसी मद्भाषिक गलती के कारण  
हुआ है वहां वह पत्र के अंकित मूल्य पर उमी दर में  
साधारण ब्याज का सदाय प्राधिकृत कर सकेगी जो  
ऐसे डाकघर बचत बैंक में इस प्रकार के बचत खातों के  
लिए तत्समय प्रवृत्त और अनुज्ञेय है जिसमें ऐसा धारक  
डाकघर बचत खाता नियम, 1981 के उपबन्धों के अधीन  
ऐसे खाने खोलने का हकदार है।”

[स० का० 7/1/82-एन० एस०-(i)]

टिप्पण मूल नियम सा० का० नि० सं० 711 तारीख  
25-6-60 द्वारा प्रकाशित किए गए।

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Economic Affairs)  
NOTIFICATIONS

New Delhi, the 19th July, 1983

GSR 563 (E).—In exercise of the powers con-  
ferred by section 12 of the Government Savings  
Certificates Act, 1959 (46 of 1959), the Central  
Government hereby makes the following rules

(1)

further to amend the Post Office Savings Certificates Rules, 1960 namely :—

1. (1) These rules may be called the Post Office Savings Certificates (Amendment) Rules, 1983.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In rule 13 of the Post Office Savings Certificates Rules, 1960, in sub-rule (1), the following proviso shall be added, namely :—

“Provided further that where the Central Government is satisfied that such purchase or acquisition of Certificates is due to a bona fide error on the part of the holder thereof, it may authorise payment of simple interest on the face value of the certificate at the same rate as is admissible for the time being in force for the type of savings accounts in the post office savings bank with which such holder is entitled to open under the provisions of the Post Office Savings Account Rules, 1981.”

[No. F. 7/1/82-NS-(i)]

Note : The Principal rules were published vide GSR No. 711 dated 25-6-60.

सा० का० नि० 564(अ).—केन्द्रीय सरकार, सरकारी बचत-पत्र अधिनियम, 1959 (1959 का 46) की धारा 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय बचत-पत्र (चौथा निर्गम) नियम, 1970 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय बचत-पत्र (चौथा निर्गम) संशोधन नियम, 1983 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. राष्ट्रीय बचत-पत्र (चौथा निर्गम), 1970 के नियम 10 के उपनियम (1) में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु जहां केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि किसी पत्र का ऐसा क्रय या अर्जन उसके धारक की ओर से किसी सद्भाविक गलती के कारण हुआ है वहां यह पत्र के अंकित मूल्य पर उसी दर से साधारण व्याज का संदाय प्राधिकृत कर सकेगी जो ऐसे डाकघर बचत बैंक में इस प्रकार के बचत खातों के लिए तत्समय प्रवृत्त और अनुज्ञेय है जिसमें ऐसा धारक डाकघर बचत खाता नियम, 1981 के उपबन्धों के अधीन ऐसे खाते खोलने का हकदार है।”

[सं० फा० 7/1/82-एन० एस०-(ii)]

टिप्पण : मूल नियम सा० का० नि० सं० 319 तारीख 28-2-70 द्वारा प्रकाशित किए गए।

GSR 564 (E).—In exercise of the powers conferred by section 12 of the Government Savings Certificates Act, 1959, (46 of 1959), the Central Government hereby makes the following rules further, to amend the National Savings Certificates (IV Issue) Rules, 1970, namely :—

1. (1) These rules may be called the National Savings Certificates (IV Issue) Amendment Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 10 of the National Savings Certificates (IV Issue) Rules, 1970, the sub-rule (1), the following proviso shall be added, namely:—

“Provided that where the Central Government is satisfied that such purchase or acquisition of a certificate is due to a bona fide error on the part of the holder thereof, it may authorise payment of simple interest on the face value of the certificate at the same rate as is admissible for the time being in force for the type of savings accounts in the post office savings bank with which such holder is entitled to open under the provisions of the Post Office Savings Account Rules, 1981.”

[No. F. 7/1/82-NS (ii)]

Note : The Principal rules were published vide GSR No. 319 dated 28-2-70.

सा० का० नि० 565(अ).—केन्द्रीय सरकार, सरकारी बचत-पत्र अधिनियम, 1959 (1959 का 46) की धारा 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय बचत वार्षिकी पत्र नियम, 1976 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय बचत वार्षिकी पत्र (संशोधन) नियम, 1983 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. राष्ट्रीय बचत वार्षिकी पत्र नियम, 1976 के नियम 9 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“9क—अनियमित धारण :—(1) इन नियमों के उल्लंघन में क्रय या अर्जित किया गया कोई पत्र जैसे ही धारण के इन नियमों के उल्लंघन में होने के तथ्य का पता चले वैसे ही उसे धारक द्वारा डाकघर पास बुक के साथ यथास्थिति ऐसे निर्गमन कार्यालय में जिसमें वह रजिस्ट्रीकृत किया गया है या ऐसे निर्गमन कार्यालय में जिसको वह नियम 12 के अधीन अन्तरित किया गया

है अभ्यर्पित कर दिया जाएगा और ऐसे अभ्यर्पण पर, धारक पत्र के अंकित मूल्य के समतुल्य रकम बिना किसी ब्याज के प्राप्त करने का हकदार होगा और वह नियम 10 या नियम 15 के अधीन कोई अन्य रकम प्राप्त करने का हकदार नहीं होगा :

परन्तु जहां केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि किसी पत्र का ऐसा क्रय या अर्जन उसके धारक की ओर से किसी सद्भाविक गलती के कारण हुआ है वहां वह पत्र के अंकित मूल्य पर उसी दर से साधारण ब्याज का संदाय प्राधिकृत कर सकेगी जो इस प्रकार के बचत खातों के लिए तत्समय प्रवृत्त और अनुज्ञेय है जिन्हें ऐसा धारक डाकघर बचत खाता नियम, 1981 के उपबंधों के अधीन खोलने का हकदार है।

(2) यदि किसी ऐसे धारण पर जो इन नियमों के उल्लंघन में है पत्र के अंकित मूल्य के आधिक्य में, किसी रकम का नियम 10 के अधीन संदाय कर दिया गया है या किसी रकम का नियम 15 के अधीन प्रतिमंदाय कर दिया गया है तो वह रकम सरकार को तुरन्त वापस की जाएगी, ऐसा करने में असफल रहने की दशा में सरकार ऐसी रकम को, सरकार द्वारा विनिधान कर्ता को संदेय किसी धन से या भू-राजस्व के बकाया के तौर पर वसूल करने की हकदार होगी।"

[सं० का० 7/1/82-एन० एस०-(iii)]

टिप्पण : मूल नियम सा० का० नि० सं० 239 (अ) तारीख 18-3-76 द्वारा प्रकाशित किए गए।

G.S.R. 565 (E).—In exercise of the powers conferred by section 12 of the Government Savings Certificates Act, 1959 (46 of 1959), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the National Savings Annuity Certificates Rules, 1976, namely :—

1. (1) These rules may be called the National Savings Annuity Certificate (Amendment, Rules 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the National Savings Annuity Certificate Rules, 1976, after rule 9, the following rule shall be inserted, namely:—

(i) "9A.—Irregular holdings.—Any certificate purchased or acquired in contravention of these rules, shall, as soon as the fact of the holding being in contravention of these rules is discovered, be surrendered, along with the Post Office Pass Book, by the holder to the Issuing Office where it stands registered, or as the case may

be, to the Issuing Office to which it stands transferred under rule 12, and on such surrender, the holder shall be entitled to receive an amount equivalent to the face value of the Certificate without any interest and he shall not be entitled to receive any other amount under rule 10 or rule 15.

Provided that where the Central Government is satisfied that such purchase or acquisition of a Certificate is due to a bona fide error on the part of the holder thereof, it may authorise payment of simple interest on the face value of the Certificate at the same rate as is admissible for the time being in force for the type of savings accounts which such holder is entitled to open under the provisions of the Post Office savings Accounts Rules, 1981."

(ii) If on any holding, which is in contravention of these Rules, any amount has been paid under rule 10 or any amount has been repaid under rule 15 in excess of the face value of the Certificate, it shall be forthwith refunded to the Government, failing which the Government shall be entitled to recover such amount from any money payable by the Government to the investor or as an arrear of Land Revenue.

[No. F. 7/1/82-NS-(iii)]

Note : The Principal rules were published vide GSR No. 239 (E) dated 18-3-76.

सा० का० नि० 565 (अ).—केन्द्रीय सरकार, सरकारी बचत पत्र अधिनियम 1959 (1959 का 46) की धारा 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय विकास बांड नियम 1977 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय विकास बांड (संशोधन) नियम 1983 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. राष्ट्रीय विकास बांड नियम 1977 के नियम 8 में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा अर्थात् :—

"परन्तु जहां केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि किसी बांड का ऐसा क्रय या अर्जन उसके धारक की ओर से किसी सद्भाविक गलती के कारण हुआ है वहां वह बांड के अंकित मूल्य पर उसी दर से साधारण ब्याज का संदाय प्राधिकृत कर सकेगी जो इस प्रकार के बचत खातों के लिए तत्समय प्रवृत्त और अनुज्ञेय है जिन्हें ऐसा धारक डाकघर बचत खाता

नियम 1981 के उपबंधों के अधीन खोलने का हकदार है।”

[सं० फा० 7/1/82-एन० एस० (iv)]

ए० रंगाचारी, संयुक्त सचिव

टिप्पण : मूल नियम सा० फा० नि० सं० 598(अ), तारीख 31-8-1977 द्वारा प्रकाशित किए गए।

GSR 566 (E).—In exercise of the powers conferred by section 12 of the Government Savings Certificates Act, 1959 (46 of 1959), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the National Development Bonds Rules, 1977, namely :—

1. (1) These rules may be called the National Development Bonds (Amendment) Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. To rule 8 of the National Development Bonds Rules, 1977, the following proviso shall be added, namely :—

“Provided that where the Central Government is satisfied that such purchase or acquisition of a Bond is due to a bona fide error on the part of the holder thereof, it may authorise payment of simple interest on the face value of the certificate at the same rate as is admissible for the time being in force for the type of savings accounts which such holder is entitled to open under the provisions of the Post Office Savings Account Rules, 1981”.

[No. F. 7/1/82-NS-(iv)]

A. RANGACHARI, Jt. Secy.

Note : The Principal rules were published vide GSR No. 598 (E) dated 31-8-1977.